

सार-समाचार

मैराथन दौड़ व वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित



कोटा, (निसं)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित खेल कार्यक्रमों के तहत ग्रामीण पुलिस द्वारा 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ व वॉलीबॉल गेम का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं जवानों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं टीम भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ आमजन को स्वस्थ एवं नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने एवं संतुष्ट रहने का संदेश देना रहा। मैराथन का आयोजन ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर के निर्देशन व ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के सुपरविजन में किया गया, जिसमें जिले के पुलिस अधिकारी एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने निर्धारित ०5 किलोमीटर दौड़ पूरी की एवं वॉलीबॉल गेम खेला। मैराथन के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने का संदेश दिया। मैराथन के माध्यम से जिला ग्रामीण पुलिस द्वारा युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहकर खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

संतुलित आहार के फायदे बताए

कोटा, (निसं)। ०९वें पोषण माह के अंतर्गत सोमवार को पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-92 में बच्चों एवं अधिभावकों के लिए पोषण जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुपर्णा सेन राय के निर्देशन में आयोजित संगोष्ठी में स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और जंक फूड से दूरी के महत्व पर जागरूक किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सोरभ शर्मा ने बताया कि पोषण माह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्स्‍यक डॉ. चंद्रजीत शर्मा जिनकीथीयों एवं अधिभावकों को भोजन और पोषण से जुड़ी उपयोगी जानकारी मिली। उन्होंने असंतुलित खान-पान से होने वाली बीमारियों, भोजन बनाने की उचित विधियों तथा बर्तनों के चयन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बताया। संगोष्ठी में 'जैसा अन्न, वैसा मन' और 'हमारी थाली प्रथम औषधि' के संदेश के माध्यम से दैनिक भोजन में पोष्टिक आहार के महत्व को समझाया गया, साथ ही जल चिकित्सा, आहार चिकित्सा एवं उपवास चिकित्सा जैसे प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों की जानकारी दी गई तथा विद्यार्थियों को पोषित डाइट चार्ट भी प्रदान किए गए।

मेधावी छात्राओं को लैपटोप भेंट



कोटा, (निसं)। कर्मचारी हितनिधी समिति द्वारा मेधावी छात्राओं को लैपटोप भेंट किया गया, वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के सचिव अब्दुल खालिक ने बताया कि कर्मचारी हितनिधी समिति के द्वारा 24०० ग्रेड पे तक के कर्मचारियों की बेटियों को उच्च तकनीकी शिक्षा में चयनित होने पर केन्द्रीय कर्मचारी हितनिधी समिति की ओर से लैपटोप भेंट किया गया। अब्दुल खालिक ने बताया कि हितनिधि समिति की ओर से रेलवे कर्मचारी सत्यनारायण की पुत्री मुस्कान यादव को एमबीबीएस करने के लिए और रेलवे करचारी गजराज मीना की पुत्री कोमल मीना को आईआईटी हेतु लैपटोप दिया गया। वरिष्ट मण्डल कार्मिक अधिकारी अविरल शर्मा के कक्ष में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के अली खान एवं पी.के.गर्ग की उपस्थिति मे अविरल शर्मा द्वारा लैपटोप एवं बेग भेंट किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कर्मचारी हितनिधी समिति के सभी सदस्य एवं सहायक कार्मिक अधिकारी राकेश कुमार भी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त महानिदेशक ने द्वितीय बटालियन आरएसी कोटा का भ्रमण किया

कोटा, (निसं)। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, आम्ड बटालियन्स रूपिन्द्र सिंघ द्वारा द्वितीय बटालियन आर.ए.सी. कोटा का भ्रमण किया गया। बटालियन पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया की। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस ने बटालियन के लाईन परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके पश्चात अधिकारियों एवं जवानों के साथ संपर्क सभा आयोजित की गई। संपर्क सभा में जवानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान जवानों को एक-दूसरे की मदद ध्यानपूर्वक सुनने, आपसी सहयोग एवं हर संभव मदद करने की समझाईश दी गई, ताकि किसी जवान को किसी प्रकार की परेशानी या तनाव की स्थिति में अकेलापन महसूस न हो तथा आवश्यकता होने पर उसे समय पर सहयोग एवं संशल मिल सकें। इस दौरान बटालियन के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बटालियन की



अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, आम्ड बटालियन्स, रूपिन्द्र सिंघ द्वारा वृक्षारोपण किया गया। साथ में शहर एसपी तेजस्विनी गौतम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासनिक एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस द्वारा वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने बटालियन परिसर में विकसित ऑक्सीजन जोन के हर्बल पार्क का भी भ्रमण किया तथा वहां लगाए गए

विभिन्न औषधीय वृक्षों एवं पौधों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं बटालियन परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। संपर्क सभा के दौरान नवीं बटालियन आर.ए.सी. टोंक में पदस्थापित हौरालाल, हैड कांस्टेबल नं.

115 के निधन पर दो मिन्ट का मौन

रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भ्रमण के दौरान बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस का स्वागत किया तथा उनके द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने का विश्वास दिलाया।

अरुंधति चौधरी एशिया बाक्सिंग एथलीट कमेटी की वाइस चेयरमैन बनी

कोटा, (निसं)। कॉमनवेल्थ और बाक्सिंग के वर्ल्ड कप में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाली बाक्सर और कोटा की बेटी अरुंधति चौधरी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब तक वह बाक्सिंग के रिंग में ही अपना कारनामा दिखा रही थीं, अब उन्हें एशियन बाक्सिंग एथलीट कमेटी ने वाईस चेयरमैन बनाया है। इस पद पर वे निर्विरोध चुनी गई हैं।

भारतीय मुक्केबाजी संघ के सीईओ रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक ने उन्हें दिशा-निर्देश भी दिए हैं कि वह 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक जापान जाकर अपना पदभार ग्रहण कर सकती हैं और वहां होने वाली बोर्ड मीटिंग में शामिल हो सकती हैं। महाबली स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच अशोक गौतम ने बताया कि अरुंधति चौधरी ने एशिया बाक्सिंग के क्षेत्र में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

अरुंधति चौधरी ने एशियन बाक्सिंग एथलीट कमेटी के लिए नामांकन किया था। उनके समर्थन में काजाकिस्तान की करीना इब्राहिमोवा ने नामांकन वापस कर लिया है। इसके बाद रविवार को उन्हें एशिया बाक्सिंग

बॉक्सिंग एथलीट कमेटी की मौजूदगी में 4 साल का कार्यकाल रहेगा।

इसके लिए उन्हें 28 सितंबर को जापान के आइची-नागोया जाना है जहां पर वे उपाध्यक्ष पद की शपथ लेंगी। इसके बाद 29 सितंबर को वह एशियन बाक्सिंग एथलीट कमेटी की मैजमेंट बोर्ड की मीटिंग में भी भाग लेंगी। एथलीट कमेटी में उपाध्यक्ष बनने के बाद अरुंधति अब बाक्सिंग की प्रतियोगिताओं में इंपोर्टेंट रोल अदा करेंगी। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में उनसे चर्चा की जाएगी।



गोविन्द गुप्ता

बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से गोविन्द प्रसाद गुप्ता को अध्यक्ष, महावीर जैन को महामंत्री, सुभाष अग्रवाल उपाध्यक्ष एवं संतोष बंसल कोषाध्यक्ष के साथ-साथ सुशील जैन, आलोक अग्रवाल, धीरज गुप्ता, बनवारी लाल गुप्ता, जितेंद्र मि्तल सहित कार्यकारिणी में लिए गये। सभा में अग्रवाल समाज खेडली फाटक कोटा का पंजीकरण करवाने तथा अग्रवाल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती में विविध कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

नाम परिवर्तन
सभी कोमल जैन पत्नी अविनाश सोगानी निवासी मकान नं. 84४8, महावीर नगर प्रथम, कोटा राजस्थान, मेरा नाम विवाह पूर्व भिस कोमल कुमारी जैन था, विवाह पश्चात् मेरा नाम कोमल जैन हो गया है। उक्त दोनों ही नाम मेरे स्वयं के है। भविष्य में मुझे कोमल जैन नाम से जाना जाए।

सोया पाया

राकेश भित्तल पुत्र बंशी लाल भित्तल 4-F-29 विज्ञान नगर कोटा के मूल दस्तावेज निरस्तीकरण पत्र व अनुज्ञा पत्र कहीं गुम हो गए हैं किसी को मिलने पर सूचित करें।

सुचना पत्र

सभी आम- ख़ास को सूचित किया जाता है कि मेरे मुकदिले मुन्नु सिंह पुत्र रिष्णल सिंह व श्रीमति उषा पत्नी मुन्नेन्द्र सिंह, निवासी सुदरनगर नगर, प्लॉट नं 278, बप्पावाली के पास, चारभुजा, झालरवाड़ा, थाना व तहसील रायसमाटा, जिला चित्तौड़गढ़ के निवासी ने अपने पुत्र मोहित सिंह तोहर को उरसके विपरीत आचरण के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से देवखल कर दिया है तथा अपने पुत्र से हमेशा के लिए माता- पिता एवं पुत्र के संबंध समाप्त कर लिये है। दिनांक : 28.०9.2०26

भवदीप

अनिल शर्मा, एडवोकेट
128 गणेश नगर कॉलोनी रायसमाटा, जिला-चित्तौड़गढ़

कोटा

राष्ट्रदूत कोटा, 29 सितम्बर, 2026

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक: एफ-15/कृ.मू.क./2026/1145

विनियम

दिनांक : 29.8.2026

सर्वे साधारण को जर्वे विनियम सूचित किया जाता है कि ग्राम रायपुरा योजना "रायल पर्व" खसरा नं. 66 में स्थित भूखण्ड संख्या 95 के ऑनलाईन नाम हस्तांतरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में श्रीमती रश्मिता चवुर्वेदी पलिन केतन देव निवासी - ही-163, आनन्द विहार, रवेले कोलोनी, जयपुररा, जयपुर राज. द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 254 दिनांक 27.07.2016 को श्री कमलेश्वर चवुर्वेदी जी पुत्र स्व. श्री यमराज चवुर्वेदी के पक्ष में जारी किया गया था। संलग्न मूल्य प्रमाण पत्र अनुसार पट्टेधारी की मूल्य दिनांक 31.10.2017 को हो चुकी है, एवं पट्टेधारी की पलिन आता चवुर्वेदी की मूल्य दिनांक 11.03.2026 व पुत्र अभिलेख चवुर्वेदी की मूल्य दिनांक 16.09.2023 को हो चुकी है। अतःविनियम द्वारा संलग्न पोषण पत्र के अनुसार प्रस्तुत क्रमोत्तरित चवुर्वेदी के विधिक वारिसता 1. प्रमाण चवुर्वेदी (पुत्र) 2. सोम चवुर्वेदी (पुत्र) 3. रितु चवुर्वेदी (पुत्रवृत्त) पलिन स्व. अश्विष 4. श्वेता चवुर्वेदी (पुत्री) कुल चार विधिक वारिसता है। जिनमें से आवेदिका के अतिरिक्त 3 विधिक वारिसताएं नशे तथा उक्त भूखण्ड में अपने निहित हित्सों का हक्कायन जर्वे रचि, हक्कायन श्रीमती रश्मिता चवुर्वेदी पलिन केतन देव के पक्ष में दिनांक २७.१०.२०२५ को आवेदिका के पक्ष में निष्पत्तिरित किया है। आवेदिका द्वारा संलग्न (1) पंजीकृत हक्कायन पत्र (2) विधिक वारिसता पत्र एवं (3) मूल्य प्रमाण पत्र के आधार पर अपने पक्ष में नाम हस्तांतरणवा चला गया है।

अतः श्रीमती रश्मिता चवुर्वेदी पलिन केतन देव के नाम हस्तांतरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अव्या लिखित में आरोहोहताहकर्ता को प्रस्तुत करें। निम्नाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक: LU2012/KOT/2026-27/101276

तारीख सूचना

दि.28.09.2026

श्री MS SAMRIDHI ESTATE THRE PARTNER VYAJ KUMAR SINGH पुत्र श्री RAJENDRA PRASAD जाति RAJPUT निवासी KRISHNA TRADERS, ADARSH NAGAR BAPU COLONY, KOTA JN. KOTA. RAJASTHAN ने इस कार्यालय में निम्ने उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु पत्नी भूमि के अपने अधिपति अधिकारी के निर्माण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् -

क्र.सू.	क्र.ग्राहकसूची व सं. विले का नाम	खातादार का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल (घ.मी.मैर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	भवाना, लाडपुरा (कोटा)	(1) KUNAL BIHARI NAGAR S/O MAHAVEER HI. 1/9, (2) DAULATRAM S/O PRABHU LAL HI. 1/3 (3) PAWAN NAGAR S/O MAHAVEER HI. 1/9 (4) RAMKANYA W/O LT. SH. MAHAVEER HI. 1/9, (5) HEMRAJ S/O PRABHULAL HI. 1/3	777	24600	2.46
		CASTE DHAKAR			कुल 2.46

इसलिए हमें द्वारा संलग्न विनियम के अंतर्गत किया जाता है कि यदि पलिन व्यक्ति को परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उक्त निर्देशन के प्रत्यक्ष रूप में 7 दिन के समय-समय पर पलिन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होना होगा। परचयपत्र नं.-परचय अधिकारी, 1956 की शर्तों के अंतर्गत परचयपत्र अधिकारी (परचयपत्र, 1955 का पैरा 63 के अंतर्गत पलिन अधिकारी के लिए) को उपरोक्त पत्र अनुसार परचय करने और परचय अधिकारी के निर्देशन के अंतर्गत आवेदन हो कि वह उ

इसलिखित द्वारा सारस संश्लिखित जानकारी को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपर्युक्त भू-पत्रावत अधिलेख, 1९56 की धारा 9६-क और पत्रावतन अधिनियम अधिलेख, 1९55 की धारा ६3 के अधीन सूचित प्रत्येकीय के लिए मूल्य के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अधिपति अधिकारी के निर्माण पत्र को अंशों के हो तब इस नोटिफ के अन्तर्गत के 7 सेन के भीतर-भीतर अपनी प्रत्येकीय की मूल्य के साथ एक पत्र 9६-क के For Development Authority (UDA) अधीनत नगर करवत चलावत को अनुसर कर अपने आवेदो एवं कर सकते हो। उपर्युक्त निम्न सार के भीतर-भीतर किसी अंशों के अन्तर्ग में यह सन्धान किया कि किसी को अंशों नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आता 28/०9/2026 को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

पत्र / नगर भुगतान पद्धति के अन्तर्गत आवास आवंटित किए गए थे इन आवंटियों ने अपने आवास का विक्रय/ हस्तांतरण अन्य व्यक्तियों को कर दिया है आवास क्रय करने वाले व्यक्तियों ने आवास का अपने पक्ष में नियमितकरण करने हेतु वाचित प्रपत्रों सहित आवेदन किया है। अतः निम्न सूची में सम्मिलित आवास का मूल आवंटों के नाम से निरस्तीकरण करते हुए इनका नियमितकरण क्रेता के पक्ष में किए जाने की कार्यवाही की जा रही है, इन प्रस्तावित निरस्तीकरण/ नियमितकरण के विरुद्ध कोई हितकारी अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहे तो सूचना प्रकाशन से 07 दिन मे उप आवासन आयुक्त वृत्त कोटा के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर यह मानते हुऐ कि इन आवासों के मूल आवंटियों/ हितकारों को नियमितकरण बाबत कोई आपत्ति नहीं है आवास का आवंटन बिना किसी अन्य सूचना के मूल आवंटियों के नाम से निरस्त कर एवं नियमितकरण क्रेता के पक्ष में किए जाने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जावेगी।				
नियमितकरण हेतु प्राप्त आवेदन				
क्र. सं.	मूल आवंटों का नाम	क्रेता का नाम	मकान न०	कॉलोनी एवं शहर
1	निर्मला	मोजीराम गुर्जर	3/114	नैनावा
2	हेमराज	मोजीराम गुर्जर	3/113	नैनावा
3	हनुमान सैनी	सुनिता बाई	3/145	नैनावा
4	महेश चन्द माधुर	दिनेश कुमार यादव	3/238	स्वामी विकासनन्द नगर
5	ठाकुर प्रसाद गुप्ता	अहसान अली	7 E 50	विज्ञान नगर विस्तार कोटा
6	बल्लु बाई	अनीता मीणा	2/99	अकलेरा
7	बल्लु बाई	अनीता मीणा	2/98	अकलेरा
8	गोविन्द मीणा	अनीता मीणा	2/105	अकलेरा
9	गोविन्द मीणा	अनीता मीणा	2/1०4	अकलेरा
10	रामचन्द	मुजम्मिल खान	7 C 54	विज्ञान नगर विस्तार कोटा
11	मोहम्मद इम्राहिम	राम बाई	1 E 9	विकास नगर बुन्दी
12	राधेश्याम कुमावत	सुशीता कुमारी	4 A 11	सुनेल
13	गोपाल सिंह	महेन्द्र सिंह चौहान	3 Ka 15	विज्ञान नगर
14	धुली बाई	कविता देवी	7 M 64	महावीर नगर सुतीय
15	सीता बाई	मीनाक्षी	3 P 66	महावीर नगर विस्तार
16	कृपाल दास	राधेश्याम	2 J 8	महावीर नगर विस्तार
17	बशीर मोहम्मद	जय किशन	3/1०2	गणेश तालाब
18	गोकुली बाई	रीना कवलानी	4 K 13	महावीर नगर विस्तार
19	लालुराम	राहुल पाण्डेय	233	एमएनसीपी
20	गिरिराज शर्मा	रम्पति शर्मा	2/384	लाखेरी
21	उर्मिला	शिव कुमार पाण्डेय	1/177	लाखेरी
22	जयीन आरा	कैलाश चौधवाणी	4 M 21	महावीर नगर विस्तार
23	दानमल	रणजीत कुमार कंडिया	1 L 18	रंगबाडी
24	पुष्पा बाई	गोविन्द शर्मा	1 G 38	जवाहर नगर बासी
25	ओम प्रकाश महावर	संजु बाई	1/52	अट्ठरू
26	चतुर्नृप सोनी	रोहित सोनी	1/15	सीएचएस बासी
27	सुदर्शन गौतम	मधुसुन्दन गौतम	2/82	अट्ठरू
28	देवकरन वर्मा	कमलेश बाई	1/132	अट्ठरू
29	विनायक गोचर	अब्दुल हमीद	2/83	लाखेरी
30	कन्हैया लाल	निर्जा वसीम बेग	7 D 59	विज्ञान नगर विस्तार कोटा
उप आवासन आयुक्त, वृत्त कोटा				
राज.संवाद /सी/ 28/ 10848				

</

ऋणप्रतिज्ञाओं एवं सह ऋणप्रतिज्ञाओं का नाम: 1. **पवन कुमार मेघवाल, 2. राधा बाई**
सम्पत्ति पला- संपत्ति का यह पूरा टुकड़ा और पार्सल जिसका पता नंबर 62911 है, क्षेत्रफल 1480 वर्गफुट, ग्राम घाछला, ग्राम पंचायत घाछला पंचायत समिति पिरवा और सुतेरा जिला झालावाड़, राजस्थान-३२6513 और इसके किनारे - पूर्व-राम सिंह का बाड़ा, पश्चिम-आता रास्ता, उत्तर-एच श्री रामनारायण, दक्षिण-रामसागर का बाड़ा और सह राधेश्याम

आपसे कहा जाता है कि आप उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए सारे के अनुसार **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)** को संबंधित तरीकों से अनुबंधित ब्याज दर और अन्न लागूगी, भेमारों आदि के साथ इस प्रकारन की तरीक से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करें, ऐसा न करने पर नीचे उल्लेखकर्ताओं के विरुद्ध एवआरएमएफएरएअडॉ अधिनियम की धारा 13 (4) और धारा 14 के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (1३) के तहत उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को विक्री/पट्टे या अन्यथा रूप से स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

एफडी/- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफएससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

कार्यालय नगरपालिका, रामगंजमण्डी जिला कोटा (राज.)

क्रमांक:-न.पा.रा./2०26/३०75 दिनांक 28.9.26 आपत्ति आमत्रण सूचना					
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका कार्यालय में भवन निर्माण स्वीकृति बाबत निम्न पत्रावलिा प्राप्त हुई है। उक्त पत्रावलियों में भवन निर्माण स्वीकृति दिये जाने के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रमाण के सात दिवस की अवधि में इस कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर दे। समयवधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।					
क्रसं	आवेदक का नाम मय पता	राजस्व ग्राम मय खसरा नं.	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	कांलोनी का नाम
1	श्री रमेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री मांगीलाल जाति पोरवाल महाजन निवासी रामगंजमंडी	गोरधनपुरा 80 120 पुराना	3	1500 वर्गफीट	आन्नद विहार कालोनी
2	श्री अतुल कोचर पुत्र श्री आशीष कोचर पुत्रान श्री राजेन्द्र कुमार कोचर जाति महाजन निवासीगण रामगंजमंडी	गोरधनपुरा 97 व 98	3	1250 वर्गफीट	सुविधि नगर
3	श्री राजेन्द्र कुमार कोचर पुत्र श्री सोभायमल कोचर जाति महाजन निवासीगण रामगंजमंडी	गोरधनपुरा 97 व 98	23	875 वर्गफीट	सुविधि नगर
नोट:- यह आपत्ति सूचना मात्र है सभी प्रकरणों में दस्तावेज जांच, मौका स्थिति एवं रिकॉर्ड से मिलान उपरान्त ही अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।					
अधिसाची अधिकारी नगरपालिका रामगंजमण्डी					

सुनें तथा उनके निराकरण को प्राथमिकता दें। उन्होंने कार्यालय को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने पर भी विशेष जोर दिया।

कार्यालय से शुरू हो स्वच्छता की शुरुआत-निरीक्षण के दौरान महापौर ने कार्यालय की सफाई व्यवस्था को लेकर कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने की शुरुआत नगर निगम कार्यालय से ही होगी। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर पड़े अनियोगी सामान को हटाने और उपयोगी सामग्री को व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। जहां दीवारों की मरम्मत अथवा अन्य आवश्यक कार्य की जरूरत है, वहां तत्काल कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कार्यालय में बंद पड़ी लाइटों को चालू करवाने के निर्देश भी दिए।

कोटा, (निसं)। नगर निगम की नवनिर्वाचित महापौर अनुसुइया गोस्वामी और उपमहापौर विवेक राजवंशी ने निर्वाचन के बाद सोमवार को अपने पहले कार्य दिवस पर नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निगम भवन के सभी कक्षाों का जायजा लेते हुए कहा कि अधिकारी और कर्मचारी समय पर ऑफिस आए और कार्यालय में सकारात्मक और व्यवस्थित माहौल दिखाई दें। महापौर गोस्वामी ने कहा कि कार्यालय में आने वाले आमजन को बेहतर वातावरण मिलना चाहिए। सभी अधिकारी-कर्मचारी सुबह 9.3० बजे कार्यालय में उपस्थित हों और पूरे कार्यालय समय में मौजूद रहकर आमजन की समस्याएं